इलैक्ट्रिक कैटल

- विद्युत कैटल में आवश्यकतानुसार ही पानी गर्म करना चाहिए।
- थर्मोस्टेट स्विच तथा कुचालक पदार्थ से बने हैंडल वाली ही कैटल खरीदना चाहिए।
- कैटल को समय समय पर साफ करते रहना चाहिए ताकि उसके एलिमैंट पर स्किल जमा न हो सके।

कम्प्यूटर

- जब कम्प्यूटर की आवश्यकता न हो तो उसे ऑफ कर देना चाहिए।
- जब कम्प्यूटर को ऑन रखना आवश्यक हो तो उसके मॉनिटर को ऑफ कर देना चाहिए इससे 50 प्रतिशत विद्युत ऊर्जा की बचत होती है।
- कम्प्यूटर की सैटिंग इस प्रकार करना चाहिए कि आवश्यकता न होने पर वह स्लीप मोड में आ जाए इससे 40 प्रतिशत विद्युत ऊर्जा की बचत होती है।
- लैपटॉप, सैलफोन और डिजीटल कैमरा के बैटरी चार्जर को प्लग में लगा नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि यह ऊर्जा की खपत करते रहते है। अतः इनको प्लग से निकाल देना चाहिए।

वॉशिंग मशीन

- वॉशिंग मशीन को फुल लोड पर चलाना चाहिए।
- रीन्ज़ साइकल में हमेशा ठंडे पानी का उपयोग करना चाहिए।
- मशीन में ज़रुरत के अनुसार ही पानी भरना चाहिए।
- कपड़ा धोते समय टाइमर का प्रयोग करना चाहिए।
- मशीन में कपड़ा सुखाने की जगह बाहर कपड़ा सुखाना चाहिए।

टेलिविज़न तथा इलैक्ट्रोनिक्स उपकरण

- टेलिविज़न, टेप, डेक, वी.सी.आर/ वी.सी.डी. प्लेयर आदि को रीमोट से ऑफ न करके प्लग स्विच से ऑफ करना चाहिए क्योंकि रीमोट से ऑफ होने के बाद भी वह 10 से 30 वॉट तक विद्युत ऊर्जा की खपत करते रहते हैं।

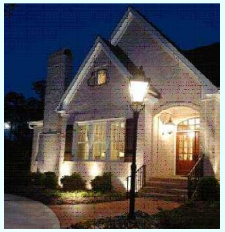

सामान्य उपाय

- ठंडा तथा गर्म करने वाले सभी विद्युत उपकरणों में थर्मोस्टेट स्विच लगा होना चाहिए।
- घरेलू वाइरिंग में कोई भी ज्वाइंट तथा लूज़ कनैक्शन नहीं होना चाहिए।
- सभी विद्युत उपकरणों को अर्थ होना चाहिए।
- जहाँ तक संभव हो सके सोलर ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए।
- पूर्णमासी की रातों में चाँद की रोशनी का उपयोग करना चाहिए। बाहर की तथा स्ट्रीट लाइटों को ऑफ कर देना चाहिए।
- इनडायरेक्ट/ फैन्सी/ सजावटी लाइटों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। नाइट लैम्प में नियोन/पीग्मी लैम्पों का प्रयोग करना चाहिए।
- कमरों की दीवारों को सफेद/ हल्के रंगों से पेन्ट करना चाहिए। तथा छतों को चूना से पोतना चाहिए इससे कमरे के अन्दर का ताप बाहर के मुकाबले 8 डिग्री सें. तक कम हो जाता है।
- मिक्सर/ ग्राइन्डर में सूखी पिसाई नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें गीली पिसाई से अधिक समय लगता है।

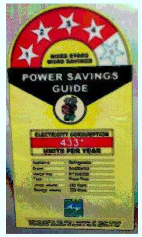

स्टार रेटिड उपकरणों का प्रयोग

बी.ई.ई. द्वारा अनुमोदित हायर स्टार रेटिंग के विद्युत उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए। यह विद्युत उपकरण ऊर्जा की खपत कम करने के साथ साथ कार्बन एमीशन को भी कम करते हैं।

नोटः *इस पुम्फलेट में दी गई जानकारी केवल मार्गदर्शन हेतु हैं। गहन एवं विस्तृत जानकारी के लिए निर्माता द्वारा दिए निर्देशों को देखें।*

यदि कोई सुझाव या टिप्पणी हों तो कृपया निम्न पते पर लिखें।

निदेशक (विद्युत), कैमटेक महाराजपुर,ग्वालियर, (म. प्र.) – 474 005

(केवल कार्यालयीन उपयोग हेतु)

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
रेल मंत्रालय MINISTRY OF RAILWAYS

घरेलू उपकरणों के लिए ऊर्जा बचत के उपाय

कैमटेक/2009/ई/ऊर्जा बचत
दिसम्बर 2009

अ अ प्रौ सं RDSO
रेल अग्रदूत Transforming Railways
Excellence In Maintenance
Indian Railways
Centre for Advanced Maintenance Technology
(A Directorate of RDSO)

महाराजपुर, ग्वालियर – 474 005
Maharajpur, GWALIOR - 474 005

घरेलू उपकरणों के लिए ऊर्जा बचत के उपाय

प्रस्तावना

- सीमित स्त्रोत तथा अधिक माँग के कारण ऊर्जा को बचाने की अत्यंत आवश्यकता है।
- ऊर्जा बचत का मतलब कटौती करना नहीं बल्कि कम ऊर्जा खपत वाले आधुनिक घरेलू उपकरणों का उपयोग करके ऊर्जा की खपत में कमी करना है।

प्रकाशीय प्रणाली

- जहाँ तक संभव हो खिड़कियाँ और दरवाजे खुले रखें। जिससे सूर्य के प्रकाश का उपयोग हो सके।
- आवश्यकता न होने पर विद्युत उपकरणों के स्विचों को बन्द रखें। यह विद्युत ऊर्जा बचत का सबसे अच्छा तरीका है।
- साधरण लैम्पों की जगह सीएफएल का प्रयोग करने से 75 प्रतिशत तक विद्युत ऊर्जा की बचत होती है जबकी उतनी ही रोशनी प्राप्त होती है।

- गन्दे बल्ब तथा ट्यूब लाइटें 50 प्रतिशत तक रोशनी कम करते हैं। अतः इनको साफ रखें।
- स्वचालित प्रंणालियाँ विद्युत ऊर्जा की काफी बचत करती हैं जैसे कि इन्फ्रारेड सेंसर, मोशन सेंसर स्वचालित टाइमर स्ट्रीट लाइट हेतु तथा डिमर आदि को, स्वचालित स्विच की तरह ऑन/ऑफ करने हेतु प्रयोग कर सकते हैं।
- आवश्यकता वाली जगह पर प्रकाश करने हेतु टास्क लाइट का प्रयोग करना चाहिए।

कूलर तथा पंखे

- कूलर तथा पंखों में इलैक्ट्रोनिक रेग्यूलेटर का उपयोग करना चाहिए।
- जब आवश्यकता न हो तो पंखों तथा कूलरों के स्विच ऑफ रखें।
- सीज़न शुरु होने से पहले कूलर तथा पंखों की ओवर हॉलिंग कर लेना चाहिए इससे इनकी क्षमता बढ़ जाती है।
- कुलरों में पम्प को ऑन/ऑफ करने हेतु स्वचालित टाइमर स्विच का प्रयोग करना चाहिए। इससे विद्युत ऊर्जा के साथ – साथ पानी की भी बचत होती है।

रुम एअर कण्डीश्नर

- गर्मी के मौसम की शुरुआत में पहले पंखा ही चलाना चाहिए क्योंकि पंखा एक घण्टे में 40 पैसा खर्च करता है जबकी एअर कण्डीश्नर एक घण्टे में 10 रुपया खर्च करता है।

- कमरे के आकार के हिसाब से उचित क्षमता का एअर कण्डीश्नर लगाना चाहिए।
- ए.सी. रुम में फॉल सीलिंग लगी होनी चाहिए।
- ए.सी. रुम को एअर सील्ड होना चाहिए।
- ऊष्मा शोषक पदार्थों से बने सामानों को ए.सी. रुम में नहीं रखना चाहिए।
- कमरा छोड़ने के आधे घण्टा पहले ए.सी. ऑफ कर देना चाहिए।
- ए.सी. के एअर फिल्टर तथा कण्डेंसर क्वाइल को समय समय पर साफ करते रहना चाहिए।
- ए.सी. के थर्मोस्टेट को 25 डिग्री सें. (77 डिग्री फॉ.) पर सेट करना चाहिए इससे कम खर्च में आराम दायक ठंडक मिलती है।
- पेड़ों से ढकी दीवारें तथा खिड़कियाँ 40 प्रतिशत तक ऊर्जा की खपत में कमी करती है।

रेफ्रीजरेटर

- रेफ्रीजरेटर को गर्म स्थान से दूर ठंडे स्थान पर रखना चाहिए।
- रेफ्रीजरेटर में गर्म सामान नहीं रखना चाहिए।
- रेफ्रीजरेटर की कण्डेंसर क्वाइल को दीवार से दूर रखना चाहिए ताकि उसको ठंडा होने के लिए पर्याप्त हवा मिल सके।
- रेफ्रीजरेटर के दरवाजे को खुला नहीं छोड़ना चाहिए तथा बार–बार दरवाजा नहीं खोलना चाहिए।
- खराब रेफ्रीजरेटर को प्रयोग में नहीं लेना चाहिए तथा इसका प्लग निकाल देना चाहिए।
- रेफ्रीजरेटर के दरवाजे की गास्केट साफ तथा टाइट होना चाहिए।
- रेफ्रीजरेटर को समय–समय पर डिफ्रास्ट कर देना चाहिए।

वाटर हीटर (गीजर)

- गर्म पानी के पाइप पर थर्मल इन्सुलेशन को लपेटना चाहिए ताकि ऊष्मा की हानि न हो।
- सही ग्रेड के प्लास्टिक पाइप लाइनों का प्रयोग करना चाहिए।
- गीजर की थर्मोस्टेट की सेटिंग निम्न स्तर अर्थात 60 डिग्री सें. के स्थान पर 50 डिग्री सें. पर करना चाहिए इससे 20 प्रतिशत तक विद्युत ऊर्जा की बचत होती है।

माइक्रोवेव ओवन

- माइक्रोवेव ओवन में खाना साधारण ओवन के मुकाबले आधे समय में बनता है। इससे 50 प्रतिशत ऊर्जा तथा समय की बचत होती है।
- माइक्रोवेव ओवन में खाना बनाते समय पदार्थों की अधिक मात्रा किनारे की तरफ रखना चाहिए क्योंकि माइक्रोवेव ओवन में खाना किनारे से बीच की तरफ पकता है।
- माइक्रोवेव ओवन को फुल लोड पर चलाना चाहिए। खाली नहीं चलाना चाहिए।